

विचार बिन्दु

अपने नाम को कमल की तरह निष्कलंक बनाओ। -लांग फैलो

राम की "आदिपुरुष"

छवि किसी को नहीं जमी

हिन्दुस्तानी सिनेमा के सौ साल से अधिक के इतिहास में किसी फिल्म की इतनी पिटाई और किरकिरी नहीं हुई होगी जितनी हाल ही में रिलीज 'आदिपुरुष' की हुई है। आधुनिकतम कंप्यूटरजनित महंगी तकनीक 'वीएफएक्स' का उपयोग करते हुए कुछ जबरदस्त नया कर दिखाने और दर्शकों का दिल बॉक्स ऑफिस को लूट लेने का सपना यदि उसे बनाने वालों ने देखा होगा तो वह चूर-चूर हो गया है। हिन्दुस्तानी सिनेमा इतिहास में ऐसा अनेक बार ऐसा हुआ है कि समीक्षकों ने किसी फिल्म को भाव नहीं दिया मगर दर्शकों ने उसे सिर पर बिठा कर सुपर हिट कर दिया, या समीक्षकों ने जिसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की उसे दर्शकों ने पूरी तरह दुकरा दिया। यह पहली बार हो रहा है कि दर्शकों में भारी उत्सुकता का माहौल बनाते हुए प्रदर्शित हुई इस फिल्म को समीक्षकों तथा आम दर्शकों, दोनों ने पूरी तरह खारिज कर दिया। नई डिजिटल भाषा में कहे तो वह जबरदस्त 'ट्रोल' हो रही है। 'आदिपुरुष' इन्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में फिल्में बना रही अभिमानी पीढी का खोखलापन उजागर करती है। यह वह पीढी है जो पढ़ी-लिखी है किंतु शिक्षित नहीं है। वह सोशल मीडिया पर चलने वाले ऐतिहासिक नेटिविड से पूरी तरह भ्रमित है और जिसकी गंभीर चिंतन की कोई शिक्षा नहीं है। सिनेमा में रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को आज्ञादी के नाम पर हिंसा, नानता के साथ मां-बाहिन की गालियों वाले संवाद जब स्वीकार कर लिए जाते लगे और नए सिनेकारों को अनैतिक सामाजिक परिवेश व विवाहेतर रिश्तों को परदे पर दिखाने का अधिकारपूर्वक गर्व होने लगे तब उसकी परिणति आदिपुरुष में ही होनी होती है। हिन्दुस्तान के लोग बड़े सहिष्णु हैं। कलात्मक और रचनात्मक आज्ञादी लेते हुए उन्हें मर्जी आए जो पुरोहित जा सकता है। वे परवाह भी नहीं करते हैं। मगर 'आदिपुरुष' एक ट्रेजेडी सिद्ध हुई है। किसी ने पूछा है कि इतनी बड़ी ट्रेजेडी किसी फिल्म के साथ कैसे हो सकती है? वह भी एक ऐसी फिल्म के साथ जो एक ऐसे कॉन्सेप्ट पर आधारित है जिसे सफलता मिलनी ही मिलनी थी। मगर फिल्म रसातल में मिल गई। ऐसा कैसे हो गया? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि एक महाकाव्य को भंडे तरीके से प्रस्तुत किया गया। 'आदिपुरुष' से नया सिनेमा रचने वाले फंस गए। उन्होंने अपनी उस्तादी दिखानी चाही जो नहीं चली। फिल्म बनाने वालों को 'रामायण' को आधुनिक बनाने का कारनामा फूहड़ साबित हुआ। करीब दो दशक पहले 'रामायण' पर बने जिस सीरियल के टेलिकास्ट के समय रास्ते सुनसान हो जाते थे उसके निर्माता रामानंद सागर ने भी नई पीढी को संबोधित करते हुए अपने तरीके से वह कहानी कही थी और सफल रहे थे क्योंकि उन्होंने इस महाकाव्य का मूल तत्व मर्यादा को खूबसूरती से बनाए रखा, जिससे जो नया किया गया वह भी लोक का हो गया। उस सीरियल के संवादों में आए अप्रचलित 'माताश्री' और 'मामाश्री' जैसे शब्द लोगों की बोलचाल में आ गए। हनुमान का सम्बोधन 'जय श्रीराम' तो राजनीति में हुंकार वाला नारा बन गया।

सिनेमा में पात्र जीवन से बड़े (लजरे देन लाइफ) होते हैं। राम के चरित्र का तो लजरे देन लाइफ का होना और भी स्वाभाविक है क्योंकि वे विष्णु के अवतार माने गए हैं। सनातन परंपरा में माना गया है कि भगवान जब पृथ्वी पर आते हैं तब वे मानव शरीर में जन्म लेकर आते हैं। राम मानव शरीर में इसानी आदर्श के प्रतीक हैं। मगर उन्हें 'बाहुबली' की भांति मर्यादा दिखाना किसी को समझ में नहीं आया। अवतारी पुरुष राम की सैकड़ों वर्षों की भारतीय मन की कल्पना भुजाएं फड़फड़ाते वाले किरदार की नहीं है और न ही हल्की भाषा बोलने वाले पात्र हनुमान की। राम महाबली तो हैं, मगर वे विनय के सागर हैं। 'रामायण' का राम क्रोध से तमतमता नहीं। इस महाकाव्य में राम को सिर्फ एक जगह क्रोध आता है जब समुद्र उन्हें राह नहीं देता और वे अपना धनुष निकाल लेते हैं। मगर तब भी किसी को फफड़ते नहीं। फिल्म बनाने वाले सोच रहे थे कि वे कुछ नये स्टाइल में ऐसी फिल्म लाएंगे कि लोग देखते रह जाएंगे। किन्तु वे भूल गए कि भगवान राम की कथा लोगों के हृदय में गहराई से बसी हुई है। रामलीलाओं और फिल्मों में राम के किरदार की प्रस्तुतियां अलग-अलग रूप में होते हुए भी सभी को दर्शक स्वीकार्य होती रही हैं, किन्तु 'आदिपुरुष' में पहली बार उसे नकार झेलना पड़ा है। इसीलिए यह फिल्म उत्पाद तुच्छ बन कर रह गया। वे लोग शायद अधिक निराश हुए हैं जो इस फिल्म से देश भर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ने की आशा कर रहे थे। इस्कॉन के एक प्रचारक ने व्यंग्य में कहा कि इस फिल्म ने पूरे देश को जोड़ दिया। पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि कामपंथ और दक्षिणपंथ के लोग किसी एक राय पर एक साथ हुए हों। लेकिन दोनों तरफ के लोग बोल रहे हैं कि यह मूवी गलत है। इस फिल्म की असली समस्या उसका रामायण के चरित्रों को कॉमिक बुक चरित्रों की तरह प्रस्तुत करना है।

इस फिल्म की असली समस्या उसका रामायण के चरित्रों को कॉमिक बुक चरित्रों की तरह प्रस्तुत करना है। रामायण के पात्रों को जो लुक, परिवेश और भाषा दी गई वह दयनीय और निराशाजनक सिद्ध हुई। एक नहीं अनेक गड़बड़ियां हैं इस फिल्म में।

रामायण के पात्रों को जो लुक, परिवेश और भाषा दी गई वह दयनीय और निराशाजनक सिद्ध हुई। एक नहीं अनेक गड़बड़ियां हैं इस फिल्म में। फिल्म शुरू होती है प्रमुख पात्र राम से। पहली बार मुओं वाला राम लोगों को दिखाया गया। एक सौम्य और हमेशा मुस्कराते राम की कल्पना के बरक्स इसमें उदासीन चेहरा लिए राम हैं। रामानंद सागर की रामायण में राम बने अरुण गोविल हमेशा सौम्यता से मुस्कराते रहते परदे पर नजर आते हैं। सागर की रामायण में सौम्य और मुस्कराता राम है तो इसमें इसमें मुंछों वाला गंभीर चेहरा। किसी ने मजाक में कहा भी है कि फिल्म में ऐसा लगता है कि जैसे किसी खडक सिंह की मुंछें उठा कर राम पर चिपका दी गई हो। बाहुबली का काबिल अभिनेता प्रभाष वहाँ एकदम अनफिट है। इसे कास्टिंग ब्लान्डर कह दें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। राम का चरित्र ऐसी गरिमा वाला है जिसमें मासूम सादागी के साथ भारी अलौकिकता की झलक महसूस होती है। फिल्म वालों ने राम को नारंगी रंग की बर्तियान भी पहिना दी। हनुमान का चरित्र निभाने वाला अभिनेता बताते हैं सऊदी अरब के ज़िम से लाया गया है। राम और लक्ष्मण के गले में चमड़े के पट्टे दर्शक को रामायण काल में नहीं ले जाते। मेघनाद के टेडुओं से भरें बदन से फिल्म बनाने वाले क्या साबित करना चाहते थे ये तो वे ही जानें। सीता के पात्र को जो वस्त्र पहिना कर उन्हें ग्लेपरस बनाए का प्रयास किया गया है भले ही सीता के सौन्दर्य को दिखाने के लिए इसकी दरकार नहीं थी। रावण का हेयर कट भी आज के किशोरों की पसंद वाला है लेकिन उससे वह महाबली राम नहीं रह जाता। कंप्यूटरजनित रावण के दर्श शीश आसप्त में कसमसाते हुए ही नजर आते हैं। 'रामायण' की कथा में स्वर्ग के राजा इंद्र पर भी विजय पा लेने वाला रावण पहले ही खलनायक रूप में है किन्तु उसकी भी अपनी गरिमा है। फिल्म में रावण को हथियार बनाने वाला लुहारा बना दिया गया है। रावण द्वारा सीता हरण के दृश्य में विमान की जगह चमगादड़ झांझ कर देना और जटायु को चील बना देने को हास्यास्पद ही कहा जा सकता है। फिल्म रिलीज होते ही दौड़ कर पहुंचे दर्शकों की भीड़ ने पाया कि यह तो खोदा पहाड़, निकली चुहिया है। वह भी मरी हुई।

कहते हैं कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बचाने के लिए संवाद बदलने का उद्यम भी हुआ है। गिरती फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर उठाने का ऐसा प्रयत्न नया नहीं है। अनेक बार सिनेमाघरों में चलती फिल्मों में कुछ जोड़ा या हटाया गया है अथवा अंत बदला गया है, मगर ऐसा करके अब तक कोई भी फिल्म सफल नहीं हुई है। हिंदुस्तान के दर्शक ने एक बार जिसे नकार दिया वह फिल्म फिर नहीं चल सकी। यह तो सारी की सारी अंधेरी मूवी है। भारत में युद्ध सूर्योदय से सूर्यास्त तक होने की परंपरा रही है। मगर इसमें सारे युद्ध अंधेरे में, रात में होते दिखाए गए हैं। इसे कलयुग की रामायण भी नहीं कह सकते। मनोज कुमार ने तो 'कलयुग की रामायण' नाम से फिल्म ही बना डाली थी मगर वह भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी। हालांकि मनोज कुमार ने उसमें रामकथा नहीं कही थी, वह नई कहानी थी। व्यावसायिक फिल्म वालों से यह अपेक्षा तो किसी को नहीं होती है कि वे आस्था को लेकर कोई महान फिल्म बना सकेंगे। बॉलीवुड में फिल्मों आस्था को लेकर नहीं बनाई जाती है। आस्था को भुगने के लिए जरूर बनाई जाती रही है। 'आदिपुरुष' को बनाने वाले अपनी बेवकूफी से भारी आस्था का परिचय देना चाहते थे या अपनी रचनात्मकता के जलवे दिखाना चाहते थे या आधुनिक तुलसीदास बनने चले थे, कुछ नहीं कहा जा सकता। हर साल छह-सात फिल्में निकालने वाले टी-सिरीज कंपनी, हालांकि जिसकी सूची में एक भी ऐसी फिल्म नहीं है जिसे कलात्मक सिनेमा कहा जा सके, की मति मारी गई थी कि उसने 500 करोड़ रुपये के बजट से यह फिल्म बनाई और अपनी छीछाकारी कराई। फिल्म व्यवसाय के एक गंभीर समीक्षक का कहना है कि 'वैस्टनेड एडवेंचर' जैसी ऐसी फिल्मों से ही बॉलीवुड बदनाम होता है। 'रामायण' के राम की विनय की सीख पर चलने वाले अधिकतर भारतीय जन ने उसे विनयपूर्वक त्याग दिया और फिल्म अपनी गति को पा गई।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोडा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

मानसून की दस्तक के साथ पिछोला झील में पानी की आवक शुरू

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में उमस के बीच बारिश का मंगलवार को तीसरा दिन रहा। हालांकि शहर में तो हल्के क्रम की बारिश रही लेकिन केचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से पिछोला में आवक शुरू हो गई है। शुरुआती बारिश ने ही सीसारमा नदी को प्रवाहित कर दिया है। इसका पानी

- सीसारमा चार फीट चली, बागोलिया में दो इंच बारिश
- 11 फीट क्षमता वाला पीछोला झील में दो इंच फीट ही खाली

पिछोला झील में पहुंच रहा है। 11 फीट क्षमता वाला पीछोला झील में दो इंच फीट ही खाली है। ऐसे में इस बार झीलों के जलद भरने की उम्मीद है। इधर, शाम 5 बजे तक बीते 12 घंटों में जिले में सर्वाधिक बारिश बागोलिया में दो इंच



उदयपुर शहर में बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया।

(49 मिमी) रिकॉर्ड की गई। लेकिन अभी मौसम में उमस घुली रही और दोपहर बाद कुछ देर बारिश हुई जिससे उमस से हल्की

राहत दी। बारिश का यह क्रम रूक-रूक बना रहा। झीलों की खूबसूरती के लिए विश्व विख्यात लोकसिटी की झीलों में आवक भी एक ही बारिश से

शुरू हो गई है। पीछोला झील में सीसारमा नदी के चार फीट चलने से आवक शुरू हो गई है। झील का जलस्तर 8 फीट 5 इंच बना हुआ है।

11 फीट क्षमता वाली यह झील केवल ढाई फीट खाली है। इसके लंबालंब होने के साथ ही इसका पानी लिंक नहर के जरिए फतहसागर झील में आना शुरू हो जाएगा। इधर, फतहसागर झील को भरने वाला मुख्य स्रोत मदार नहर भी एक यो दो अच्छी बारिश से चल सकती है क्योंकि मदार बड़ा साढ़े तीन फीट ही खाली है। मानसूनी दस्तक से जिस तरह बारिश हो रही है यही क्रम सीजन में बना रहा तो इस बार झीले जल्द ही छलक जाएंगी। फतहसागर का जलस्तर 7 फीट 7 इंच बना हुआ है। 13 फीट क्षमता वाला फतहसागर 5 फीट 5 इंच खाली है। जल संसाधन विभाग के प्राय आंकड़ों के अनुसार सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक समाप्त होते 12 घंटों में उदयपुर जिले में सर्वाधिक बारिश बागोलिया में 49 मिमी, देवास 45, झाड़ोल 14, मदार 30, ओगाणा 29, वल्लभनगर 36, उदयपुर शहर 07, गोमुन्दा 06, नाई में 1 मिमी बारिश हुई है।

चीफ जस्टिस मसीह ने यूथ एडवोकेट ट्रेनिंग का उद्घाटन किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जार्ज मसीह मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। उन्होंने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में यूथ एडवोकेट की पांच दिवसीय ट्रेनिंग का उद्घाटन किया। इससे पूर्व मसीह का नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में स्वागत किया गया।

बार कौंसिल ऑफ राजस्थान व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को यूथ एडवोकेट्स की ट्रेनिंग करवाई जा रही है। इस ट्रेनिंग में प्रचलित लॉ के बारे में जानकारी दी जा रही है। यह प्रशिक्षण एक जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय एवं चांसलर, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, ए.जे. मसीह मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में प्रदेश के कुल 319 यूथ एडवोकेट ने हिस्सा लिया। लॉ यूनिवर्सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति

- इस ट्रेनिंग में प्रचलित लॉ के बारे में जानकारी दी जायेगी, यह प्रशिक्षण एक जुलाई तक चलेगा



राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जार्ज मसीह ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में यूथ एडवोकेट की पांच दिवसीय ट्रेनिंग का उद्घाटन किया।

एडवोकेट राजेश पंवार भी मौजूद रहे। अध्यक्ष सुनील बेनीवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील शर्मा, सुरेश बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष जगमल सिंह, बीएस संप्र, श्रीमाली भी उपस्थित थे।

पालिका की करोड़ों की जमीन पर भू-माफियाओं ने कब्जा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसीद नगरपालिका की नगर क्षेत्र के वाई नंबर 22 में करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन पर भू माफियाओं द्वारा अतिक्रमण कर वहां निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। जहां नगरपालिका की जमीन हथियाने की जानकारी मिलने पर मौके पर विधायक जम्बर सिंह सांखला एवं पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू ने पहुंचकर राजस्व विभाग व पालिका की टीम तथा पुलिस प्रशासन को मौके पर बुलाकर नाप करवाई।

नगर पालिका क्षेत्र के नेशनल

हाईवे 148 डी बाजूदा रोड को जोड़ने वाली सड़क किनारे सेंटपॉल स्कूल एवं निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास कुछ प्रांपर्टी व्यवसायियों की जमीनें हैं। इनकी सीमा से सटी हुई करोड़ों रुपए कीमती नगरपालिका की बेशकीमती जमीन खाली पड़ी हुई है। जहां विगत दिनों रातों-रात भू माफियाओं ने जमीन हथियाने को लेकर कुछ गड़बड़ियां लोहारे परिवारों को टीम टप्पर बनवा कर बैठा दिया तथा इस बेशकीमती जमीन पर भू माफियाओं ने चारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। इस बात को लेकर विगत दिनों नगरपालिका

- विधायक जम्बर सिंह सांखला एवं पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू मौके पर पहुंचे
- राजस्व विभाग व पालिका ईओ की टीम तथा पुलिस प्रशासन को बुलाकर नाप करवाई

में चर्चा फैल गई। इस बेशकीमती जमीन को हथियाने की जानकारी मिलने पर विधायक जम्बर सिंह सांखला तथा पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू एवं उनके साथ पापंद अनिल सिंह तंवर, सत्येंद्र सिंह चौहान आदि मौके पर पहुंचे तथा पालिका अधिशासी अधिकारी मोहित पंचोली

तथा उपखंड अधिकारी सी पी वर्मा एवं तहसीलदार भंवर लाल सेन को सूचित कर राजस्व विभाग की टीम को बुलवाया तथा मौके पर जमीन नाप का किया। जिसमें प्रथम दृष्टया सामने आया कि यह करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन का हिस्सा नगरपालिका का है। लेकिन भू माफिया

ने कार्रवाई करने पर विरोध किया। विधायक जम्बर सिंह सांखला ने कहा कि नगर पालिका की जमीन पर भू माफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है जिससे प्रशासन मुक्त करवाने की कार्रवाई कर रहा है।

वहीं पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा ने कहा कि इस जमीन पर 100 साल से गाड़लिया लोहार का कब्जा है इसे हटाना गलत है। नगर पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण मुक्त करने के आदेश दिए इस पर नगरपालिका कार्रवाई कर रही है।

खस्ताहाल राजस्थान रोडवेज

जयपुर 26 जून। राजस्थान रोडवेज की बसों की खस्ता हालत से यात्रियों को प्रति दिन बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण से राज्य सरकार द्वारा महिलानों से आधा कियाया वसूलने तथा पत्रकारों आदि को निःशुल्क यात्रा की सुविधा देने से यात्री भार तो बढ़ रहा है किंतु यात्रियों को आये दिन मुसीबतों का सामना करने से रोडवेज प्रशासन व राज्य सरकार की छवि को लाभ के स्थान पर हानि ही अधिक हो रही है। इस संबंध में उदाहरण प्रस्तुत करना उपयुक्त है। दिनांक 25 जून,

2023 रविवार को मैं करीब 12 बजे दोपहर दिल्ली से जयपुर के लिए राजस्थान रोडवेज कह बस से जयपुर तक यात्रा करने का निर्णय लिया। बस दिल्ली से रवाना होकर बहरोड तक आई और वहां ब्रेक डाउन हो गई। यात्रियों से कहा गया कि वे अब दूसरी बसों से आगे की यात्रा करें। यात्री बस से नीचे उतरे तथा पूरे मुंह पर कपड़ा लपेटे लेडी कंडक्टर और ड्राइवर से दूसरी बस में बैठाने का आग्रह करने लगे। ड्राइवर बस को स्टार्ट करने के प्रयास भी करता रहा अतः कुछ समय बाद वह चालू हो गई और यात्री अपने

सामान के साथ फिर से इसमें सवार हो गये। कोटपूतली आते ही फिर बस आगे न बढ़ने को अड़ गई। सब यात्री नीचे उतरे और अन्य बसों का इंतजार करने लगे। कई बसों के ड्राइवरों-कंडक्टरों से मिन्नतें करने के बाद एक बस ने यात्रियों को बैठा लिया किंतु कुछ यात्री बच गये जिनको दूसरी बस में बैठाया गया। संयोगवश इस बस का टायर थोड़ी दूर चलने के बाद वहीं भस्म हो गया। सभी यात्रियों को बस से उतारा गया और कंडक्टर उनको अपने सामान के साथ करीब एक किलोमीटर बस स्टैण्ड

तक ले गया और वहां बस का इंतजार करने लगे। मैं अधिक सब्र करने की स्थिति में नहीं था। वहां से हरियाणा रोडवेज की बस पकड़ी और दिल्ली से जयपुर तक की यात्रा नौ घंटे में पूरी कर ली। अन्य यात्री कब तक जयपुर पहुंचे होंगे भगवान ही जानता है। हरियाणा रोडवेज से राजस्थान रोडवेज की तुलना करें तो हरियाणा रोडवेज कई गुणा बेहतर है। हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर-कंडक्टर की खाकी वर्दी, यात्रियों के सामान चढ़ाने-उतारने में पूरी मदद, बसों की एवन कंडीशन

इससे राजस्थान रोडवेज को बहुत सीखने की जरूरत है। जानकारी मिली है कि तकनीकी कारणों से राजस्थान रोडवेज प्रशासन नई बसों नहीं खरीद सका है। अधिकांश पुरानी बसें खस्ता हाल हैं, ऐसी ही ठेके की बसों से काम चलाया जा रहा है। राज्य सरकार और माननीय मुख्यमंत्री सभी की सभी मांगे मानने की उत्सुक है किंतु मूलभूत आवश्यक सुविधाओं की ओर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए।

-देवि सिंह नरुका,
स्वतंत्र पत्रकार

राशिफल

बुधवार 28 जून, 2023

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2080, चित्रा नक्षत्र सांय 4:01 तक, परिध्र योग प्रातः 6:03 तक, तैतिल कार्पण दिन 3:12 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

प्र स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-मिथुन, गुरू-मेघ,



पंडित अनिल शर्मा

शुक्र-कर्क, शनि-कृमभ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में। आज रविवोग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज आशा दशमी व्रत है। गुप्त नवरात्र व्रत पाक्या और नवरात्रोत्सव, मन्वादि, गिरिजा दशमी पूजा, उदरात्रथ और पुनःयज्ञा है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:47 से 12:30 तक, चर 3:55 से 5:38 तक, लाभ 5:38 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20।

मेघ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवर्तन के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वस्थ ठीक रहेगा।

वृश्चिक
घर-परिवार के कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। धार्मिक स्थानों की यात्रा संभव है। शुभ मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्तन के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनेंगे लगेगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटक हुए व्यावसायिक कार्य बनेंगे लगेगे। परिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मीन
महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। वाद-विवाद के कारण पेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्ययधान सामने आ सकते हैं।

हरीश चौधरी मिले राहुल गांधी से, डूडी मिले थे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गो से

जयपुर, (का.प्र.) राजस्थान कांग्रेस को लेकर दिल्ली में आज कई नेताओं की चर्चाएं और बैठकों का दौर चला। सबसे महत्वपूर्ण मुलाकात हरीश चौधरी की रही। पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी ने दस जनपथ पर राहुल गांधी से मुलाकात की और उसके बाद में राहुल गांधी के साथ हरीश चौधरी गाड़ी से एक साथ 10 जनपथ से निकले। इसे लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। दूसरी ओर पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी भी इन दिनों दिल्ली में सक्रिय हैं और अभी हाल ही में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे के साथ में लंबी चर्चा की थी। वहीं मंगलवार को कांग्रेस के संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल ने राजस्थान के मामलों को लेकर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा

■ राजस्थान मसलों को लेकर वेणुगोपाल के साथ बैठक में राजस्थान के बूथ और नगर अध्यक्षों का सम्मेलन करना हुआ तय

■ सह प्रभारियों ने सत्ता और संगठन को लेकर मिले फीडबैक की रिपोर्ट भी संगठन महासचिव को सौंपी

सहित तीनों से प्रभारियों के साथ में बैठक की। राजस्थान की इस बैठक में तय हुआ है कि राजस्थान कांग्रेस अपने बूथ पर नगर अध्यक्षों का सम्मेलन करेगी। इससे पहले 1 और 2 जुलाई को तमाम विधायकों और विधानसभा चुनाव हारे हुए उम्मीदवारों की दो दिवसीय कार्यशाला सालासर में की जाएगी। मंगलवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल

राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा राजस्थान के तीनों सह प्रभारी अमृता धवन, वीरेंद्र सिंह और काजी निजामुद्दीन की बैठक में इस बारे में रणनीति तैयार की गई। इसी के साथ संगठन विस्तार और जिला अध्यक्षों की सूची को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक के बाद राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बताया कि आज की बैठक में संगठन के विस्तार और

जिला कांग्रेस अध्यक्षों की घोषणा को लेकर चर्चा हुई। इसी के साथ सह प्रभारियों ने राजस्थान में अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा किया है, उस दौरान उन्हें संगठन और सत्ता को लेकर जो भी फीडबैक मिला है, उसकी रिपोर्ट भी संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल को दी गई है। रंधावा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर भी जो फीडबैक सह प्रभारियों को जिलों के दोनों पर मिला है, उस बारे में भी विस्तार से संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल के साथ चर्चा की गई है। रंधावा ने कहा कि बैठक में तय किया गया है कि राजस्थान के सभी बूथ अध्यक्षों और नगर अध्यक्षों का सम्मेलन किया जाएगा और उसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी से चर्चा की जाएगी।

विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने राजस्थान वाइल्ड लाइफ बोर्ड के सदस्य पद से इस्तीफा दिया

सांगोद विधायक ने 23 जून को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपना त्याग पत्र भेजा

जयपुर (कासं)। कोटा के सांगोद क्षेत्र से विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने राजस्थान वाइल्ड लाइफ बोर्ड के अध्यक्ष होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की रुचि वाइल्ड लाइफ संरक्षण में नहीं है। इसी कारण प्रदेश में वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक भी समय पर नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने कभी भी घोषित मुकंदरा टाइगर रिजर्व पार्क का अवलोकन तक नहीं किया। इस पत्र में भरत सिंह ने

नाते उन्होंने इस पर ध्यान भी दिया, लेकिन राजस्थान वाइल्ड लाइफ बोर्ड के अध्यक्ष होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की रुचि वाइल्ड लाइफ संरक्षण में नहीं है। इसी कारण प्रदेश में वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक भी समय पर नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने कभी भी घोषित मुकंदरा टाइगर रिजर्व पार्क का अवलोकन तक नहीं किया। इस पत्र में भरत सिंह ने

मुख्यमंत्री को आगे लिखा कि "वर्ष 2018-19 को बजट घोषणा के अनुसार अंता विधानसभा क्षेत्र में गोडावन प्रजनन केन्द्र का विकास होना था, अंता के विधायक व प्रदेश के एक भ्रष्ट मंत्री को आपने संरक्षण प्रदान कर गोडावन के संरक्षण कार्य को अंगूठा दिखाकर अपने पहले बजट घोषणा में राज्य पक्षी गोडावन की हवा निकाल दी।"

भरत सिंह ने कहा कि गत 20 जून 2023 को सी.एम.ओ. ने आदेश निकालकर वन विभाग के 39 आई.एफ.एस. की सूची के साथ-साथ बड़ी संख्या में तबादले किए हैं। इस विषय पर मैंने फोन पर वन मंत्री से बात की तो उनका कहना था कि सी.एम.ओ. ने उनसे चर्चा किए बिना ही यह स्थानांतरण किए हैं। यह अत्यंत खेदजनक है कि विभाग के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री को सी.एम.ओ. नजरअंदाज कर रहा है।

'बिना भौगोलिक दृष्टि के प्रदेश में बनाए गए जिले'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ऐन केन प्रकरण सत्ता के अंदर वापसी होनी चाहिए। इसके लिये सारे के सारे नियमों को दरकिनार कर सिर्फ वोट बैंक को राजनीति के आधार पर काम करने का जो प्रयास किया था वो अब इनके ऊपर भारी पड़ता नजर आ रही है। राजनीतिक आधार के ऊपर सरकार को

समर्थन देने वाले स्वतंत्र विधायकों के दबाव में और कई स्थान ऐसे हैं जहाँ प्रदेश के अंदर एक नहीं अनेक स्थानों के लिए जिलों की घोषणा की। अब एक ग्राम पंचायत जिला बन गई और दूसरा उपखंड हेडक्वार्टर जिले से वंचित रह गया। भौगोलिक दृष्टि से जिले की मांग पिछले 20 वर्षों से चली आ रही थी उनको नजर अन्दाज रखा गया और ऐसी माँग सरकार द्वारा मानने का काम किया

गया जिन्हें जनता ने कभी माँग की ही नहीं और अब इस तरह के वाक्यांश पूरे प्रदेश के अंदर एक नहीं अनेक स्थानों के ऊपर सामने आ रहे हैं। सरकार ने अनुपाद को जिला बनाया जिसका अन्त्य पंचायतें लगातार विरोध कर रही हैं इसी तरीके से जयपुर जिले के अंदर कल पुलिस के द्वारा बलप्रयोग करके जनता को दबाव की जो कोशिश की गई, वो अनुचित है।

900 अल्पकालीन बूथ विस्तारक प्रदेश में सात दिन प्रवास करेंगे

जयपुर। भाजपा के विशेष महासम्पर्क अभियान के तहत "मेरा बूथ सबसे मजबूत" कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को मध्यप्रदेश के भोपाल में हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बूथ प्रभारी और बूथ संयोजकों से सीधा संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर से आए कार्यकर्ताओं से क्षेत्रवार विभिन्न विषयों पर सीधा संवाद किया। बूथ संवाद कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा स्तरीय कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

इस कार्यक्रम के लिए कार्यकर्ताओं का पूर्व में चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया गया है। बूथ संवाद कार्यक्रम के बाद बुधवार को 10 राज्यों के 900 अल्पकालीन बूथ विस्तारक कार्यकर्ता राजस्थान के विभिन्न मंडलों में 7 दिन के लिए प्रवास करेंगे। इन सभी अल्पकालीन बूथ विस्तारकों को अलग-अलग जिलों में बुधवार को प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश देकर भाजपा मुख्यालय से रवाना किया जाएगा।

सरिस्का जंगल सफारी के लिए नए रूट शुरू करने की मांग

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जुली ने अलवर के सरिस्का में पर्यटकों के लिए मानसून सत्र में जंगल सफारी के लिए पाण्डुपोल रुट के अतिरिक्त रूट खुलवाने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक को भी पत्र लिखा है। टीकाराम जुली ने अपने पत्र में कहा कि, "नेचर गाइड यूनियन बाघ परियोजना सरिस्का के नेचर गाइडों द्वारा ज्ञापन मिला है। जिसमें कहा गया है कि सरिस्का पार्क में मानसून सत्र के दौरान यहां अन्य सत्रों की अपेक्षा अधिक संख्या में पर्यटक भ्रमण के लिए आते हैं। यहां पर इस समय केवल पाण्डुपोल जाने वाला सीधा एक ही रूट खोला जाता है। वर्तमान में रणथंभौर पार्क में पर्यटकों के लिए 6-10 रूट खोले जाते हैं। सरिस्का में मानसून सत्र में तीन माह के लिए भ्रमण बंद कर दिया जाता है, जिस कारण यहां के जिप्सी चालक और नेचर गाइड बेरोजगार हो जाते हैं, जो कि इनका एकमात्र जीविकोपार्जन साधन है। इसलिए रणथंभौर पार्क की तरह ही सरिस्का जंगल सफारी मानसून सत्र के दौरान पार्क में पांडुपोल रूट के साथ-साथ दो अन्य रूट पर पर्यटकों को भ्रमण कराने की अनुमति दी जाए।

1.40 करोड़ से ज्यादा परिवार चिरंजीवी योजना में रजिस्टर्ड

जयपुर। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एंजेंसी की 8वीं गर्वनिंग बोडी की बैठक मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव ऊषा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। मुख्य सचिव ने इस बात खुशी जाहिर की कि अब तक योजना से प्रदेश के 1 करोड़ 40 लाख से ज्यादा परिवार जुड़ चुके हैं। उन्होंने इस बात पर भी विभाग के अधिकारियों की प्रशंसा की कि योजना में पंजीकृत परिवारों में से 93 प्रतिशत से ज्यादा परिवारों ने मंहगाई राहत कैम्पों में रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो परिवार अब भी योजना में पंजीकृत होने से वंचित रह गये हैं उन्हें भी इससे जोड़ा जाए। मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की प्रगति और बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और प्रगति पर संतुष्टि जाहिर की। चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह ने बताया कि योजना में अब तक 4965 करोड़ से ज्यादा की राशि व्यय कर 44 लाख 95 हजार से ज्यादा मरीजों को केशलेस उपचार का लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने बताया कि योजना से जुड़े लोगों के द्वारा से बाहर अंग

■ जयपुर में राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एंजेंसी की 8वीं गर्वनिंग बोडी की बैठक आयोजित

प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। अब योजना से जुड़ा कोई भी व्यक्ति राज्य के बाहर भी अंग प्रत्यारोपण करवाकर योजना का लाभ ले सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर अंग प्रत्यारोपण के लिए जाने वाले मरीज व उसके एक सहयोगी के हवाई जहाज से आने-जाने के लिए 1 लाख रुपये तक की राशि के पुनर्भरण का प्राधान्य भी किया गया है। इस दौरान राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एंजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुचि त्यागी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव सैनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

'केंद्रीय जल शक्ति मंत्री का बयान बेशर्मी की पराकाष्ठा और देश की संघीय भावना के खिलाफ'

रंधावा ने कहा, "नहर पर लोगों का जीवन निर्भर, इस मुद्दे पर बीजेपी द्वारा राजनीति हरगिज़ बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस"

जयपुर, (का.प्र.)। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के बीजेपी की सरकार बनाने पर ईआरसीपी को मंजूर करने वाले बयान पर कांग्रेस आक्रामक हो गई है और इस बार राजस्थान से ही नहीं, बल्कि दिल्ली से कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस कम्युनिकेशन सेल के प्रमुख पवन खेड़ा ने ईआरसीपी को लेकर दिए गए गजेन्द्र सिंह शेखावत के बयान पर कहा

है कि इससे साबित हो गया कि भाजपा किस तरह से वोटों की राजनीति करती है और फिर अपने वादों को भूल जाती है। यह भाजपा का शर्मनाक चरित्र है। राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा ईआरसीपी के संदर्भ में यह कहना कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बना दो, 46,000 करोड़ रुपये दे दूंगा उनको राजस्थानियों के प्रति ओछी मानसिकता को दर्शाता है। इस नहर पर

लोगों का जीवन निर्भर है, कांग्रेस इस मुद्दे पर बीजेपी द्वारा राजनीति हरगिज़ बर्दाश्त नहीं करेगी। इस मुद्दे पर जयराम रमेश ने कहा कि जिन राज्यों की जनता बीजेपी को हराती है, उन राज्यों को प्रधानमंत्री का "आशीर्वाद" मिलना बंद हो जाता है। कर्नाटक हारने के बाद अन्न भाग्य योजना 2.0 के कार्यान्वयन में केंद्र सरकार जिस तरह से बाधा डाल रही है वो सबके सामने है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मामले में भी मोदी

सरकार ने कुछ ऐसा ही किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री का बयान बेशर्मी की पराकाष्ठा है और देश के संघीय भावना के खिलाफ है। कांग्रेस कम्युनिकेशन सेल के प्रमुख पवन खेड़ा ने अब गजेन्द्र सिंह शेखावत पर पलटवार करते हुए कहा है कि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के बारे में दिया गया बयान राजस्थान की जनभावना का अपमान है। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बना दो, 46,000 करोड़ दे दूंगा। यह बयान

दर्शाता है कि बीजेपी को राजस्थान की जनता की पीड़ा से कोई सहानुभूति नहीं है।

मोदी व नड्डा के वर्चुअल संबोधन को डॉ. पूनिया ने मुरादाबाद में सुना

मुरादाबाद/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वर्चुअल माध्यम से देशभर के 10 लाख बूथों पर करोड़ों बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, जिससे देशभर में बूथों पर वर्चुअल माध्यम से कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, पंचायतीराज व निकायों के जनप्रतिनिधियों द्वारा सुना गया। वहीं भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर उपनेता प्रतिपक्ष व भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ठाकुरद्वारा नगर मण्डल के

कार्यकर्ताओं के साथ मेरा बूथ, सबसे मजबूत वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के संबोधन को सुना। इससे पहले डॉ. पूनिया ने भाजपा के 'संपर्क से समर्थन अभियान' के तहत उत्तरप्रदेश के संभल लोकसभा क्षेत्र के चंडौसी में महाविद्यालय के प्राचार्य दानवीर सिंह यादव, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सर्वेश सक्सेना, डॉ. आलोक, डॉ. मनीष मल्होत्रा, डॉ. विजय कृष्णा से मिलकर मोदी सरकार के 9वर्ष की ऐतिहासिक उपलब्धियों से अवगत कराया।

राज्यपाल को पुस्तक की प्रति भेंट

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र को मंगलवार को राजभवन में डॉ. अखिल बंसल ने पुस्तक 'अथाई के स्वर' की प्रथम प्रति भेंट की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चंद डांडिया मौजूद थे।

नाम परिवर्तन
मैंने मेरा नाम रूपचन्द कुम्हार (ROOPCHAND KUMHAR) के स्थान पर रूपचन्द (ROOP CHAND) रख लिया है भविष्य में मुझे मेरे परिवर्तित सही नाम रूपचन्द के नाम से जाना जावे। निवास: 4-ख 24 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शांतीनगर, जयपुर 302016

सूचना
गुलाब पब्लिक उच्च प्राथमिक स्कूल रिण्डलिया बुजुर्ग तहसील मालपुरा जिला टोंक आवश्यकता : कक्षा एलकेजी से आठवीं तक शिक्षण कार्य हेतु अध्यापक / अध्यापिका एवं प्रधानाचार्य साक्षात्कार 28 जून 2023 प्रातः 8.30 बजे आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश प्रारम्भ

आम सूचना
मैं वीरेंद्र शर्मा पूर्व मुख्य विधायी 16-अवधि नगर, वैद्य की का बीरदास, मिनाल रोड, जयपुर का निवासी हूँ तथा उक्त आम सूचना के द्वारा हर अन्न व खास की सुविधा करता हूँ कि मेरा लड़का सतीश विवेकानन्द-उम्र 28 वर्ष पिछले 2 वर्ष से हारने से अलग रह रहा है तथा मैंने अपने उक्त लड़के को पिछले 2 वर्षों से अजीब बेल एवं अलग दरवाज़ी से बेवदास कर रखा है। इसलिए हर अन्न व खास को सुविधा किया जाता है कि मेरे लड़के से अन्न कोई भी व्यक्ति खानेवाहार करता है तो मेरी रिश्तियारी नहीं होगी वरिष्ठ शर्मा

आम सूचना
सर्वसाधारण को सुविधा के लिए मैंने मेरे पुत्र लखन जैन व प्रमुख पितृव्य वैन मेरे व मेरी पत्नी सुनीता जैन के अन्वये नई ई-निवा अर्जी नमूना भरने से पूर्व स्वयं जीवन व्यतीत कर रहे हैं, उनकी उम्र हारकों से परेक्षा होकर मेने व मेरी पत्नी के दोनों को अपनी समस्त वस्तु-वस्तु अर्थात् से बेवदास कर दिया है। अब रोकथाम व विधायन विभाग से हस्ताक्षर की प्रक्रिया का अन्वये नहीं रहा है, भविष्य में यदि कोई व्यक्ति, बैंक, सरकारी व गैरसरकारी विभिन्न संस्थान इत्यादि किसी भी प्रकार का लेन-देन/सम्बन्ध बनाए तो उसकी जिम्मेदारिता स्वयं व्यक्ति को होगी। सरकारी/नगरपालिका/श्री मीनती रेणु जैन- 9436012592

आम सूचना
मैं, मेरे अधिप्राय्य रमेश कुमार बाली पुत्र स्व. श्री कुलवीर बाली निवासी 155 ए, बृज मण्डल कॉलोनी, जयपुर राज. यह आम सूचना प्रकाशित करते हैं कि उक्त पुत्र प्रशासन बाली आयु 30 वर्ष का व्यवहार मेरे अधिप्राय्य के प्रति अज्ञानी नहीं है तथा उसकी मूलतः आदत व उसका मूल व्यवहार है इस कारण मेरे अधिप्राय्य उसकी समस्त वस्तु व अचल सम्पत्ति से बेवदास करते हैं यदि कोई व्यक्ति उससे लेन-देन/संबन्ध करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। (सुरेश शर्मा) एडवोकेट, मो. 9796013903

TENDER NOTICE
Sealed tender are invited for purchase for Equipment for advance center for treatment of Hemiplegia, Stroke Patients and Normal Physiotherapy equipment by 30.06.2023. Contact Incharge Physiotherapy Department Shri Bhupendra Raj Mehta Secretary: 9829056286

आम सूचना
सर्व साधारण को सुविधा के लिए मैंने अपने अर्थात् अधिप्राय्य रमेश कुमार बाली पुत्र स्व. श्री कुलवीर बाली निवासी 155 ए, बृज मण्डल कॉलोनी, जयपुर राज. यह आम सूचना प्रकाशित करते हैं कि उक्त पुत्र प्रशासन बाली आयु 30 वर्ष का व्यवहार मेरे अधिप्राय्य के प्रति अज्ञानी नहीं है तथा उसकी मूलतः आदत व उसका मूल व्यवहार है इस कारण मेरे अधिप्राय्य उसकी समस्त वस्तु व अचल सम्पत्ति से बेवदास करते हैं यदि कोई व्यक्ति उससे लेन-देन/संबन्ध करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। (सुरेश शर्मा) एडवोकेट, मो. 9796013903

आम सूचना
मैं वीरेंद्र शर्मा पूर्व मुख्य विधायी 16-अवधि नगर, वैद्य की का बीरदास, मिनाल रोड, जयपुर का निवासी हूँ तथा उक्त आम सूचना के द्वारा हर अन्न व खास की सुविधा करता हूँ कि मेरा लड़का सतीश विवेकानन्द-उम्र 28 वर्ष पिछले 2 वर्ष से हारने से अलग रह रहा है तथा मैंने अपने उक्त लड़के को पिछले 2 वर्षों से अजीब बेल एवं अलग दरवाज़ी से बेवदास कर रखा है। इसलिए हर अन्न व खास को सुविधा किया जाता है कि मेरे लड़के से अन्न कोई भी व्यक्ति खानेवाहार करता है तो मेरी रिश्तियारी नहीं होगी वरिष्ठ शर्मा

आम सूचना
मैं वीरेंद्र शर्मा पूर्व मुख्य विधायी 16-अवधि नगर, वैद्य की का बीरदास, मिनाल रोड, जयपुर का निवासी हूँ तथा उक्त आम सूचना के द्वारा हर अन्न व खास की सुविधा करता हूँ कि मेरा लड़का सतीश विवेकानन्द-उम्र 28 वर्ष पिछले 2 वर्ष से हारने से अलग रह रहा है तथा मैंने अपने उक्त लड़के को पिछले 2 वर्षों से अजीब बेल एवं अलग दरवाज़ी से बेवदास कर रखा है। इसलिए हर अन्न व खास को सुविधा किया जाता है कि मेरे लड़के से अन्न कोई भी व्यक्ति खानेवाहार करता है तो मेरी रिश्तियारी नहीं होगी वरिष्ठ शर्मा

आम सूचना
सर्वसाधारण को सुविधा के लिए मैंने मेरे पुत्र लखन जैन व प्रमुख पितृव्य वैन मेरे व मेरी पत्नी सुनीता जैन के अन्वये नई ई-निवा अर्जी नमूना भरने से पूर्व स्वयं जीवन व्यतीत कर रहे हैं, उनकी उम्र हारकों से परेक्षा होकर मेने व मेरी पत्नी के दोनों को अपनी समस्त वस्तु-वस्तु अर्थात् से बेवदास कर दिया है। अब रोकथाम व विधायन विभाग से हस्ताक्षर की प्रक्रिया का अन्वये नहीं रहा है, भविष्य में यदि कोई व्यक्ति, बैंक, सरकारी व गैरसरकारी विभिन्न संस्थान इत्यादि किसी भी प्रकार का लेन-देन/सम्बन्ध बनाए तो उसकी जिम्मेदारिता स्वयं व्यक्ति को होगी। सरकारी/नगरपालिका/श्री मीनती रेणु जैन- 9436012592

इस पॉलिसी में, निवेश पॉर्टफोलियो में निवेश जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जाता है।

देश है आज का स्मार्ट निवेश, कल के सुरक्षित भविष्य के लिए.

एक युनिट-लिंक्ड, असहभागी, वैयक्तिक पेन्शन योजना)

एलआईसी का न्यू पेंशन प्लस

Plan No.: 867 UIN: 512L347V01

ऑनलाइन भी उपलब्ध

आयु की पात्रता : 25-75 वर्ष • सुविधाजनक प्रीमियम भुगतान • गारंटीड अभिवृद्धियाँ • आस्थगित वार्षिकी • मार्केट लिंक्ड भुगतान • आंशिक निकासियाँ

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512 | हर पल आपके साथ

नकदी फोन कॉल या ई-मेल/शेड्यूलिंग पूर्ण ऑनलाइन से सहायक हैं। आईआईसीआई जीवन बीमा पॉलिसियों की रिक्ति, बेसत घोषित करने या प्रीमियमों के निवेश अति महत्वपूर्ण हैं संलग्न नहीं है। ऐसे फोन कॉल प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे सुनिश्चित हैं इसकी शिकायत दर्ज करवाएं। किसी समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, निवारण और शर्तों के लिए किसी सुरक्षा को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक कराया।

प्रदेश में एक कोरोना संक्रमित मिला

कार्यालय संवाददाता- जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को कोरोना संक्रमण का एक नया मामला जयपुर में सामने आया है। इससे पहले सोमवार और मंगलवार को राज्य में कोई भी नया संक्रमित नहीं पाया गया था। वहीं आज राज्य में किसी भी मरीज के रिक्वर नहीं होने फिलहाल चार एक्टिव केस मौजूद है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, राज्य में अब तक इस बीमारी से 9736 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

#MENTAL HEALTH

Social Media Habits



In the new study, the students, who received automated daily reminders about social media use, also scored higher for "positive affect," which the researchers describe as "the tendency to experience positive emotions described with words such as 'excited' and 'proud.'" Essentially, they had a brighter outlook on life.

College students who limited their social media use to 30 minutes a day scored significantly lower for anxiety, depression, loneliness, and fear of missing out compared to a control group, researchers report.

Last month, the American Psychological Association and the US Surgeon General both issued health advisories. Their concerns and recommendations for teens, parents, and policymakers addressed a mounting body of research that shows two trends are intertwined: Young people are using social media more, and their mental health is suffering.

In the new study, the students, who received automated daily reminders about social media use, also scored higher for "positive affect," which the researchers describe as "the tendency to experience positive emotions described with words such as 'excited' and 'proud.'" Essentially, they had a brighter outlook on life.

"It surprised me to find that participants' well-being did not only improve in one dimension but in all of them," says Ella Faulhaber, a PhD student in human-computer interaction at Iowa State University and lead author of the paper in the journal *Technology, Mind, and Behaviour*.

"I was excited to learn that such a simple intervention of sending a daily reminder can motivate people to change their behaviour and improve their social media habits," she says.

The researchers found the psychological benefits from cutting back on social media extended to participants who sometimes exceeded the 30-minute time limit.

"The lesson here is, it's not about being perfect but putting in effort, which makes a difference. I think self-limiting and paying attention are the secret ingredients, more so than the 30-minute benchmark," Faulhaber says.

The findings fit with other research that's grown out of kinesiology and health fields, says co-author Douglas A. Gentile, professor of psychology.

"Knowing how much time we spend on activities each day and making something countable makes it easier for

My very first viewing of Piku reminded me of Podokkhep, a 2006 film that treads the very same tricky waters of a father-daughter dynamic. But while Piku makes much song and dance (and a road trip!), Podokkhep leaves it at an intimate but stimulating conversation.



Both Piku and Podokkhep tread the tricky waters of a father-daughter dynamic.

Podokkhep Before Piku! (...1)



Shreya Biswas
Multimedia Journalist and Editor

#MOVIE

As we passed by International Father's Day recently, the 2015 movie Piku suddenly resurfaced in many peoples' memories; honestly, I couldn't scroll through enough posts on social media without coming across someone reminiscing about how 'beautifully' the film had captured the intricacies of a father-daughter relationship.

I seemed to be the only one in the crowd who felt that Piku had barely scratched the surface of a tenuous dynamic that another movie from over a decade earlier had viscerated more deftly.

The study extends the current research on social media and provides a practical way for people to limit their use. For anyone looking to cut back, Faulhaber recommends: "Create awareness. Set a timer or use a built-in wellness app to see how much time you spend on social media."

"Give yourself grace. Recognize that it's not easy to stick to a time limit. Social media apps are designed to keep you engaged."

"Don't give up. Limiting social media use over time has real benefits for your daily life."

The researchers say it's also important to be mindful of how and when we use these platforms. Future research could further explore this, along with the long-term effects from limiting social media and what people do with the time they gain.

"We live in an age of anxiety. Lots of indicators show that anxiety, depression, loneliness are all getting worse, and that can make us feel helpless. But there are things we can do to manage our mental health and well-being," says Gentile.

Paying more attention to how much time we spend on social media and setting measurable goals can help.

movies revolve around a Bengali family - a widowed, retired father and a working daughter whose life pretty much revolves around taking care of their elderly parent. And both of them are a breath of fresh air in their approach to defining/representing a modern Indian family.

A Fresh Kind Of Spin

Indian movies generally have (or at least used to have) a tradition of making daughters a fringe character. They exist on the periphery either to be married off before interval, to play a victim that must be avenged (either by the dad or the big brother), or to be the villain whose sole purpose in life is to poison her sibling's happy married life. Not to say that Podokkhep (which in Bengali means 'foolsteps') was the first film ever to broach the subject of a strong and independent daughter in Indian cinema (Rekha's 1982 film *Jeevan Dhara* comes to mind at the very least), but it did put a

fresh kind of spin to it.

In Podokkhep, the concept of a daughter supporting her family is not boxed under the unilateral label of 'sacrifice' but is instead explored from multiple angles, including the very real financial and societal aspects, which is what makes the movie relatable to many (especially working women). And that's where it seems to me that Piku has taken a leaf straight out of Podokkhep's book.

Let's take a look at Podokkhep first. The Bengali movie revolves around the lives of retired bank manager Shashanka Palit (played by Soumitra Chatterjee) and his daughter Megha (played by the incredible Nandita Das), who, like Piku, is addressed by her daak naam (pet name) 'Maamoni' by her family members. From the get-go, we are made to closely follow the mercurial interactions between the father and the daughter who go from quarrelling one instant to sharing a sweet moment the very next. Their hyper-intense dynamic is clearly fuelled by their very similar obstinate personalities - a quick-meaning daughter who is well to anger because she is not being



Scene from Podokkhep where Soumitra Chatterjee plays Shashanka Palit and Nandita Das plays Megha.



Scene from Podokkhep where Chatterjee and Das are seen reminiscing over old photographs.

heard and an aging father who looks at obeying his child as a sign of loss of power and, in turn, his sense of pride. And in the middle of this constant grind is a loving caretaker who is trying their best to maintain some semblance of peace and harmony. Sounds familiar, doesn't it?

But while the broad strokes of the plot are quite alike, the intricacies of how such a bond was exemplified through the span of a movie are very different for Piku and Podokkhep. In short, while Piku makes much song and dance (and a road trip) about a dad-daughter duo, Podokkhep leaves it at an intimate but stimulating conversation.

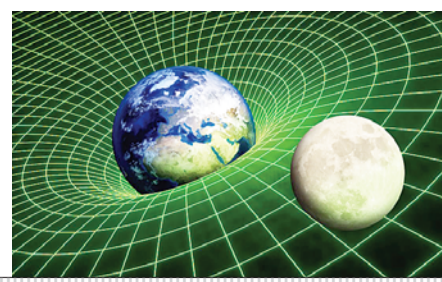
A 'Feminist' Dad?

Granted, the 2006 film may not be everyone's cup of tea. It is at times slow-paced and has a few jagged edits. And it does not have the exaggerated storytelling pattern or musical numbers like Piku. Each scene and interaction is subtler than the one before and requires you to pay deep attention in order to be able to pick up the cues of what the characters are actually trying to convey, which may deter some viewers who are looking for a less taxing movie to watch. In other words, Piku yells its message of familial

Shashanka is very much like Piku's dad when it comes to his dismissal of the idea of his daughter fleeing the nest - although in Megha's case, it is for career-related reasons and not marriage. And while he expresses his displeasure to her, unlike Bhaskor Banerjee, he never actually does anything to actively foil Megha's plans to move out of his house.

bond with every other scene until your ears are ringing, but Podokkhep will leave a lot of it unsaid. You will have to be a good listener and pick up on the hints. For me, personally, that is what make a story or a movie more immersive.

Nothing elaborates more on this point than the subplot of the fathers' stomach issues in both the movies. Piku, as we know, begins (and pretty much ends) with Bhaskor Banerjee (played by Amitabh Bachchan) elaborately discussing his stomach issues with his daughter Piku (played by Deepika Padukone) and anyone else within



Time & Gravitational Field

Time is a relative quantity. Its measurement can change on the basis of how fast you are going, just like mass as mentioned earlier. Also, its measurement depends on the gravitational field around which it is measured. According to gravitational time dilation, the higher the gravitational field slower runs the time. If we compare Jupiter and Earth, Jupiter is massive and hence has a stronger gravitational field than that of Earth. So, according to physics, a clock must run slower in Jupiter than on Earth.

the unfortunate earshot. As the movie continues to tether itself to Bhaskor's digestive misfortunes, it becomes quite clear the relentless discussion is a loose metaphor of Piku's stressful life. So much so that even the mere prospect of a significant other with constipation issues is a big fat red flag for Piku, as is evident in the last interaction between her and Syed (played by Jishnu Sengupta).

With Podokkhep, on the other hand, we see this issue crop up only once, when Megha, during a heated argument with her father, indignantly yells that she is tired of listening to the detailed descriptions of his bowel movements. Instead of making this issue a running gag that quickly stops being funny or even meaningful, this one swift blow at the topic gives the viewers a more nuanced description of their relationship - one that borders on oversharing and discomfort.

Speaking of discomfort, one has to talk about the air of feminism that hovers over the plot in both



Every time Mr Banerjee goes on his rant, he is seen clearly interrupting his daughter and drowning whatever she has to say with his loud opinions.

films. In quite a few social media posts and movie reviews that I referred to while writing this piece, Piku's dad has been revered as a 'feminist' dad. And while I enthusiastically support the ideology of 'to each their own', I would humbly like to dissect this claim a tiny bit, especially in comparison to Podokkhep.

For Piku's Bhaskor Banerjee, his daughter's freedom and importance as an individual lives and dies with her 'single' marital status. He strongly believes (and very loudly preaches) that any woman who chooses to get married has a "low IQ", going as far as to chide his own dead wife for taking care of him instead of 'making something of herself'. We also see him supports his argument with misinformation by evoking strong female role models who were indeed married (as Irrfan's character points out). What's fascinating here is, every time Mr Banerjee goes on his rant, he is seen clearly interrupting his daughter and drowning whatever she has to say with his loud opinions. One has to wonder if this type of behaviour fits the category of mansplaining more than feminism. Also, he never shies away from



Piku yells its message of familial bond with every other scene until your ears are ringing, but Podokkhep will leave a lot of it unsaid.



As the movie continues to tether itself to Bhaskor's digestive misfortunes, it becomes quite clear the relentless discussion is a loose metaphor of Piku's stressful life.



Every time Mr Banerjee goes on his rant, he is seen clearly interrupting his daughter and drowning whatever she has to say with his loud opinions.



Scene from Podokkhep where Soumitra Chatterjee plays Shashanka Palit.

acknowledging the guilt-trip he takes his daughter on when he insinuates that she should stay unmarried and take care of him. Doesn't that then make his views about his daughter's life more of self-serving than progressive?

Parenting Approaches

Shashanka is very much like Piku's dad when it comes to his dismissal of the idea of his daughter fleeing the nest - although in Megha's case, it is for career-related reasons and not marriage. And while he expresses his displeasure to her, unlike Bhaskor Banerjee, he never actually does anything to actively foil Megha's plans to move out of his house. In Shashanka we see a father who, while being adamant in his opinions, respects his daughter for having her own and steps back to let her have her own journey. This point is further driven home when he accidentally discovers that his daughter has spent the night with a man. Visibly shaken (and not extremely fond of the man in ques-

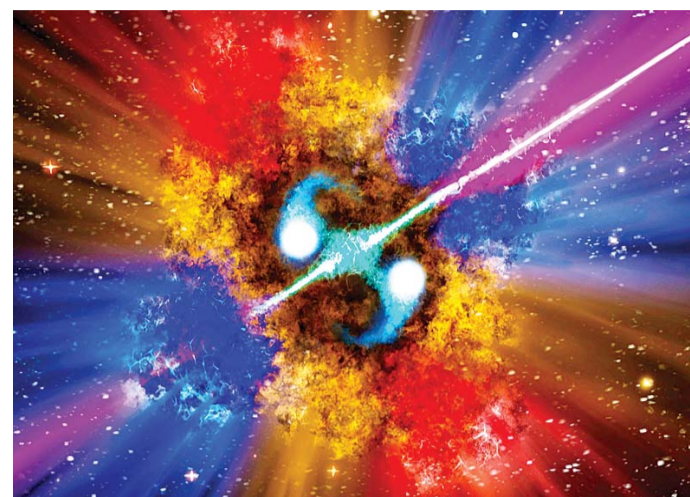
tion, as we see later), he does not interfere or question Megha about her personal choices. To me, this discretion is more of sign of a progressive father than Bhaskor Banerjee declaring his daughter's virginity status in public.

For what it's worth, it is possible that the two fathers' opposing parenting approaches were actually written to convey something much deeper. Perhaps, Bhaskor is portrayed as this selfish/woke dad to foreshadow his fear of death and being alone, something that is resolved when he dies peacefully in his sleep, surrounded by family. On the other hand, Shashanka's choice of never actively interfering in his daughter's life may simply exist to shine a light on his fear of losing her and, in turn, his own sense of identity - something that is underlined further by how he begins to care for a neighbour's little girl and the flashback of his wife's fatal accident.

To be Continued...
rajeshsharma1049@gmail.com

#SPACE

How To Kill A Star?



In order to explain the gamma-ray burst, it has to have been a compact star, so not one like the sun.

Astronomers have spotted an immensely energetic explosion emanating from an ancient galaxy, apparently triggered by a type of star destruction hypothesized for decades but never before observed. You might call it stellar death by demolition derby.

Researchers said the gamma-ray burst they observed may have been caused by the collision of two compact stars in the densely packed and chaotic environment near a supermassive black hole at the centre of this elliptically shaped galaxy. They suspect the two doomed stars were neutron stars, whose gravitational pull is so strong no matter or light can escape. Relatively low-mass stars like our sun puff up and blow off their outer layers, transforming into a stellar remnant called a white dwarf.

The new findings show another path to stellar demise.

"The idea that stars also can die through collisions in extremely dense regions has been around since at least the 1980s. So we've been waiting for 40 years for the signatures to be found observationally," Levan said.

The researchers used data from orbiting and ground-based telescopes to study the

gamma-ray burst in a galaxy about 3 billion light-years away from Earth.

This ancient galaxy was populated primarily by stars several billion years old.

"The galaxy is what we call 'quiescent' - a galaxy that is not actively forming stars at a high rate and is past its heyday," Fong said. "The quiescent galaxies are very massive and have built up large supermassive black holes in their centres, making them a perfect breeding ground for stellar collisions."

The distance between our sun and the nearest star, Proxima Centauri, is about 4 light years. This same expanse of space would be filled with perhaps ten million stars in a galactic core, with the supermassive black hole's destabilizing influence stirring things up.

"You certainly wouldn't want a front-row seat to one of these events," Levan said.

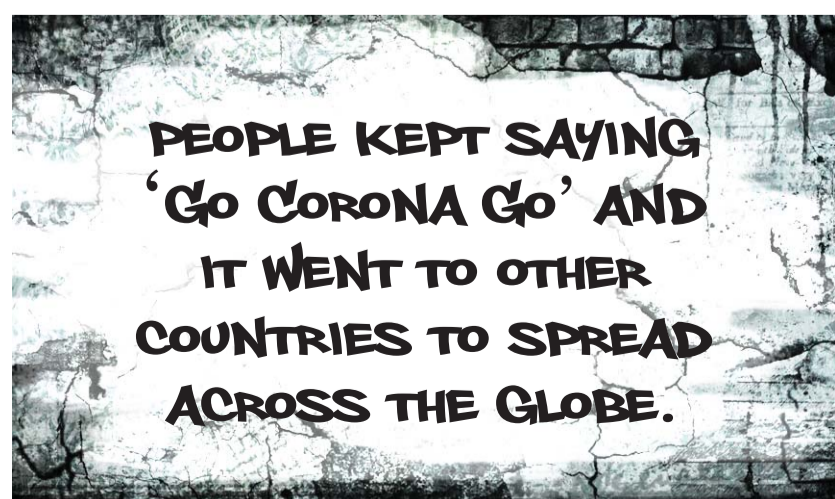
die in a predictable way, which is just based on their mass," Levan said. "This research shows a new route to stellar destruction."

Very massive stars - more than 10 times the sun's mass - die in a supernova blast that leaves behind neutron stars or even denser black holes, whose gravitational pull is so strong no matter or light can escape. Relatively low-mass stars like our sun puff up and blow off their outer layers, transforming into a stellar remnant called a white dwarf.

The researchers used data from orbiting and ground-based telescopes to study the



THE WALL

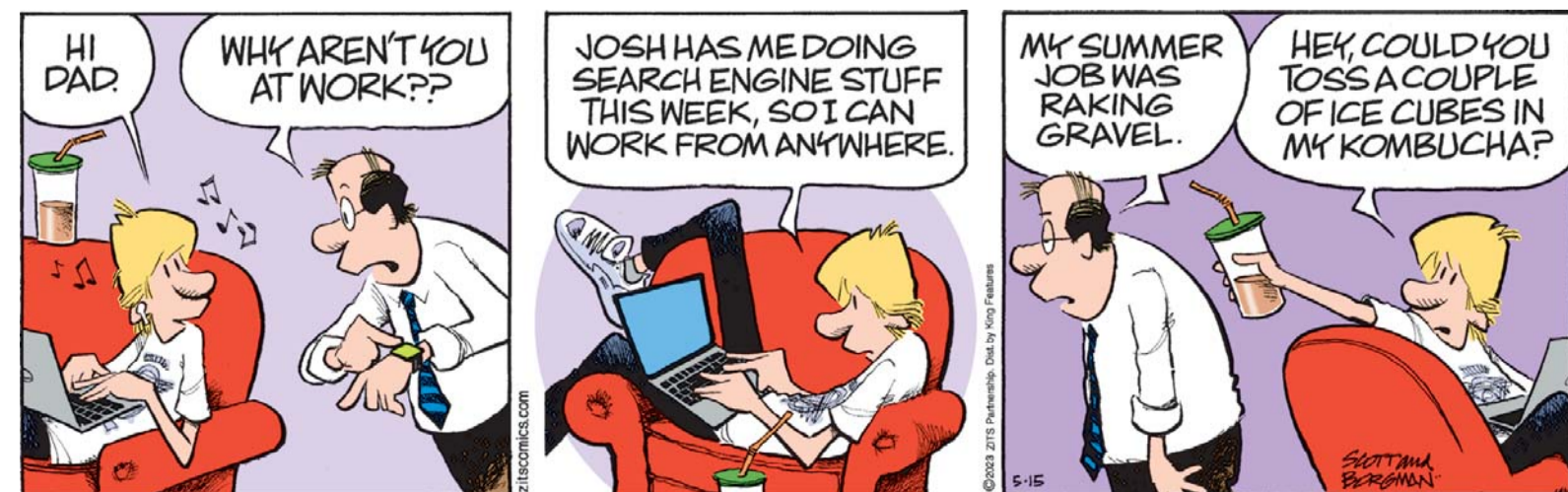


BABY BLUES

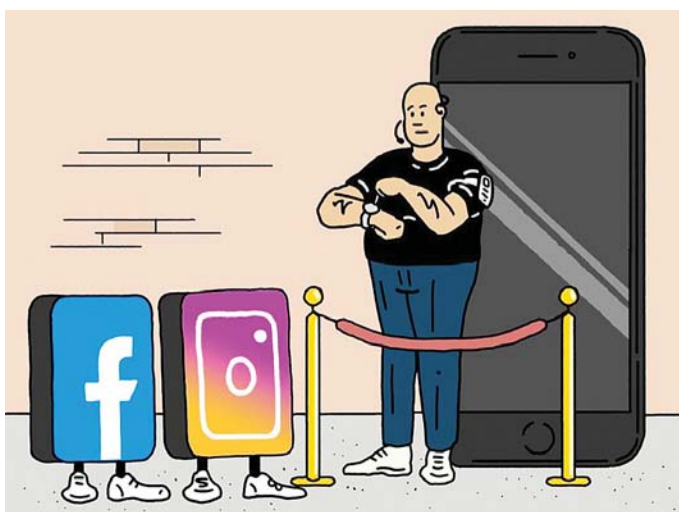


By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman



दस राज्यसभा सीटों के लिए मतदान 24 जुलाई को

नई दिल्ली, 27 जून। भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को गुजरात, पश्चिम बंगाल और गोवा में दस राज्यसभा सीटों के लिए चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन राज्यसभा सीटों के लिए मतदान 24 जुलाई को होगा और उसी दिन मतगणना होगी। पोल पैनल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इन तीन राज्यों में 10 राज्यसभा सीटें संबंधित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली हो रही हैं। सांसदों का कार्यकाल खत्म होने से जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें गुजरात से विदेश मंत्री एस जयशंकर की सीट भी शामिल है। जयशंकर, दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडिया और लोखंडवाला जुगलसिंह माथुरजी गुजरात से तीन भाजपा सांसद हैं जिनका कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है। गोवा की एक सीट पर भी चुनाव होगा क्योंकि भाजपा सांसद विनय डी. तेंदुलकर का कार्यकाल 28 जुलाई को समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल की छह सीटों पर चुनाव होगा सांसद डेवेंद्र ओब्रायन, डोला का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। सेन, सुभिमता देव, शांता छेत्री और सुखेंदु शेखर रे और कांग्रेस सांसद प्रदीप भट्टाचार्य का कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है।

नागौर में ई.डी. की रेड : 6 घंटों तक चली पूछताछ

सूफी साहब की दरगाह के सदर शमशेर खां मुन्ना के घर पर भी रेड

नागौर 27 जून (निस)। केंद्रीय जांच एजेंसी ई.डी. (एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट) नागौर में सूफी साहब की दरगाह के सदर शमशेर खां मुन्ना के घर पर यह रेड की। सुबह साढ़े सात बजे के करीब ई.डी. की टीम की दो गाड़ियां उनके घर पहुंची, जहां तमाम पूछताछ और दस्तावेज जांचे गए। इस दौरान छह घंटे टीम घर पर ही सर्व ऑपरेशन चलता रहा। विदेशी लोगों के साथ की गई टांगी के मामले में यह रेड की गई थी। यह 80 करोड़ रुपये के आर्थिक अपराध से जुड़ा मामला बताया गया है। इस मामले का मास्टरमाइंड सूफी साहब की दरगाह के सदर शमशेर खान मुन्ना का भाई मेहमूद है। इस मामले की जांच पूर्व में एसओजी भी कर चुकी है। सूत्रों ने बताया कि, अमेरिकी नागरिकों सहित विदेश नागरिकों के साथ हुई टांगी

विदेशी नागरिकों से करोड़ों रूपए की टांगी का मामला बताया जा रहा है।

के इस मामले में अब ई.डी. ने अपनी जांच शुरू की है। इस पूरे मामले में नागौर निवासी मास्टरमाइंड मेहमूद ने कुछ लोगों का गिरोह बनाया था और अलग-अलग जगह फर्जी कॉल सेंटर बनाए। फर्जी कॉल सेंटर के जरिए विदेशी लोगों को टारगेट किया गया था। जिसमें विशेषकर अमेरिकी नागरिकों को टारगेट किया गया। कॉल सेंटर के जरिए यह लोग विदेशी नागरिकों को सस्ता लोन देने का झांसा देते थे। इसके बाद उनके साथ टांगी की जा रही थी, फर्जी कॉल सेंटर के जरिए 80

करोड़ की टांगी की गई है। इसमें सबसे अधिक अमेरिकी नागरिकों के साथ 30 करोड़ की टांगी हुई है। एस.ओ.जी. पूर्व में इस पूरे मामले में जांच कर चुकी है और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। सूत्रों ने बताया कि, मुख्य आरोपी मेहमूद ने नागौर के ही रमजान नामक युवक को अपने साथ मिलाया और उसे तनखाह पर उसे नौकरी पर रखा था। रमजान के नाम पर भी खाते खोले गए और उसके खातों में टांगी के रूप में मंगवाते थे। सूत्रों के अनुसार तो जयपुर से आई टीम ने फिलहाल मामले की जांच की है, बताया जा रहा है कि, इंदौर में भी एक बड़ी जमीन का सौदा हुआ है, उसकी भी ई.डी. पड़ताल कर रही है। वहीं से मिले लिंक को लेकर अब ई.डी. दरगाह के सदर के घर रेड डालने पहुंची थी।

टमाटर और अरहर दाल पर महंगाई की मार

नयी दिल्ली, 27 जून। टमाटर और अरहर सहित कई दालों पर महंगाई की बड़ी मार देखने को मिल रही है। देश की अधिकांश सब्जी मण्डियों में टमाटर की कीमत 100 रु किलो व अरहर की दाल 135 रु प्रति किलो से अधिक हो गई है। सरकार ने अरहर दाल की दिनों दिन बढ़ती कीमतों को काबू में करने के लिए सुरक्षित भंडार यानी बफर स्टॉक से बाजार के लिए अरहर दाल जारी करने का निर्णय लिया है। उपभोक्ता कार्य,

टमाटर सौ रु. प्रति किलो व अरहर दाल की कीमत 135-140 रु. प्रति किलो से अधिक हो गई है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि अरहर दाल का आयातित स्टॉक देश में आने तक इसे सुरक्षित भंडार से मूल्यांकित और लक्षित तरीके से जारी करने का निर्णय लिया गया है। विभाग ने उपभोक्ताओं के लिए अरहर की मिलिंग हेतु उपलब्ध स्टॉक बढ़ाने के उद्देश्य से पात्र मिल मालिकों के बीच ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से अरहर का वितरण करने का निर्देश दिया है।

पिछले दिनों में पुतिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) दिया तो यह किंवदंती झूठ करार दी गई, लगभग 200 साल पहले नेपोलियन की सेना ने भी ऐसा किया था। पुतिन की "स्ट्रॉंग मैन" छवि को आखिरी झटका दिया, गत शनिवार को वागनर समूह ने, जब इसने मास्को की तरफ बढ़ना शुरू किया। वागनर प्रमुख इवगेनी प्रिगोर्जन ने बड़े गर्व से बताया कि उसने पुतिन से अपनी मांगें मनवा लीं हैं। अब खबर है कि भाड़े के इन सैनिकों ने रूस की वायु सेना के 20 सैनिकों की हत्या कर दी थी। वागनर समूह के पास भारी सैन्य हथियार हैं और इसके सदस्य प्रशिक्षित लड़ाके हैं। उनकी इस हरकत ने यह संदेश दिया कि ऐसा कोई बल तैनात नहीं है जो उनका मुकाबला कर सके।

व्यक्तिशः पुतिन की प्रतिष्ठा में भारी कमी आई है क्योंकि वे वागनर समूह और उसके मुखिया को दंड देने की धमकी पर अमल नहीं कर पाए। पुतिन ने उन्हें देशद्रोही करार देकर कड़ा दंड देने का वादा किया था। पुतिन की इस घोषणा के कुछ ही घंटे बाद उनके प्रवक्ता ने इन भाड़े के सैनिकों से सभी केस वापस लेने और उन्हें सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने का बयान दिया था। वागनर समूह के मुखिया के साथ डील करने पर बेलायत के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको को

पुतिन पर ज्यादा महत्व मिला। अभी तक रूस व बेलायत के बीच डील्स के लुकाशेंको एक जूनियर पार्टनर थे पर प्रिगोर्जन से डील करने व उसे बेलायत में सुरक्षित शरण देकर उन्होंने पुतिन पर बहुत हासिल कर ली है। लुकाशेंको ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वागनर समूह व उनके नेताओं को मौजूदगी एक महत्वपूर्ण सबक होगा।

कोटा में एक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) देखा था। सोमवार सुबह से ही वह नजर नहीं आया। शक होने पर छात्रों ने दोपहर को इसकी जानकारी हॉस्टल वार्डन को दी। कमरे के बाहर कई बार आवाज लगाने के बाद भी जब मेहुल ने दरवाजा नहीं खोला तो दरवाजा तोड़ा गया और घटना का खुलासा हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। फिलहाल कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। देवीशंकर डबल शेयरिंग में ही रुम दिया जाता है। खाने-पीने की व्यवस्था छात्रावास में नहीं है ऐसे में सभी छात्र किसी मैसेज में खाना खाते हैं या टिफिन मंगवाते हैं। पता चला है कि, घटना के समय मेहुल का रुममेट हॉस्टल में नहीं था।

सुपरटैक बिल्डिंग के मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 जून। बिल्डिंग ग्रुप सुपरटैक लिमिटेड के मालिक आर.के. अरोड़ा को ईडी ने गिरफ्तार किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है। बता दे करीब एक महीने पहले उन्हें घर खरीदारों का पैसा नहीं लौटाने को लेकर हिरासत में लिया गया था। हालांकि, तब कुछ ही देर

ई.डी. ने प्रमुख बिल्डर ग्रुप सुपरटैक लिमिटेड के मालिक आर.के. अरोड़ा को घाहकों के साथ धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया है।

बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था। आर.के. अरोड़ा हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में मौजूदगी वाले एक रियल एस्टेट टाकूनी हैं। वह कंस्ट्रक्शन कंपनी सुपरटैक के मालिक और प्रबंध निदेशक हैं। नोएडा के सेक्टर 93ए में उन्होंने दिवन टावर बनाए थे जो दो आवासीय परिसर थे।

नवाज़ शरीफ का इंग्लैण्ड से लौटने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) इसमें सांसदों की लाइफ टाइम अयोग्यता को घटा कर मात्र 5 वर्ष कर दिया है। इससे नवाज़ शरीफ लंदन से लौटकर पाकिस्तान, जहाँ अगले वर्ष चुनाव होने हैं, की राजनीति में सक्रिय हो सकेंगे। बिल पारित होने से नवाज़ शरीफ के चुनाव लड़ने व चौथी बार प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो जाएगा।

नवाज़ शरीफ (73 वर्ष) मौजूदा प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ के भाई हैं। नवाज़ को 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने अयोग्य करार दिया था, बाद में भ्रष्टाचार के मामलों में भी आरोपी करार दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लंदन में हुई पी.एम.एल.एन. बैठक में गत सप्ताह शाहबाज़ ने नवाज़ शरीफ से मुलाकात की थी। मीटिंग में दो महत्वपूर्ण चर्चाएँ हुई थी, एक तो नवाज़ शरीफ की पाकिस्तान की चुनावी

अतः माना जा रहा है कि, वे शीघ्र ही इंग्लैण्ड से लौट कर पाकिस्तान के आम चुनाव में सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

राजनीति में वापसी और उनकी अयोग्यता को खत्म करने के लिए कानून बनाने जैसा कदम उठाना। वर्ष 2018 में नवाज़ शरीफ को सुप्रीम कोर्ट ने पनामा पेपर्स केस में फैसला सुनाते हुए सार्वजनिक पद के लिए अयोग्य अयोग्य ठहरा दिया था। इलैक्शन (अमैन्डमेंट) बिल 202 में न केवल अयोग्यता की अवधि घटा दी है बल्कि इसका लक्ष्य इलैक्शन कमीशन ऑफ पाकिस्तान (ई.सी.पी.) को एक तरफा तरीके से और राष्ट्रपति से पूछे बिना ही चुनाव की तारीख घोषित करने का अधिकार देना है।

सांसदों की अयोग्यता अवधि के मामले में सैक्शन 232 में संशोधन किया गया, जो कि अयोग्यता से संबंधित था। बिल को सीनेट पहले ही 16 जून को पारित कर चुकी है। संशोधन चुनाव आयोग को राष्ट्रपति से चर्चा किए बिना चुनाव तिथि घोषित करने का अधिकार देता है। इस विधेयक को कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी की जरूरत होगी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थित हैं तथा हज पर गए हैं। सीनेट के चेयरमैन सादिक संजरांनी कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं और संभावना है कि वे समय गंवाए बिना ही इस बिल को मंजूरी दे देंगे।

माना जाता है कि विधेयक के कानून बनने के बाद शरीफ की आजीवन अयोग्यता खत्म हो जाएगी और अगले आम चुनाव, जो शायद अक्टूबर में होंगे, से पहले वे सक्रिय राजनीति में आ जाएंगे। लेकिन इससे पहले उन्हें

भ्रष्टाचार के दो मामलों में भी फैसले पलटवाने होंगे। नवाज़ शरीफ नवम्बर 2019 से ही यू.के. में स्वनिर्वाचित जीवन जी रहे हैं। लंदन जाने से पहले उन्हें लाहौर हाई कोर्ट से चिकित्सा आधार पर जमानत मिली थी। इसके पहले शरीफ अल अजीजिया मिल्स भ्रष्टाचार केस में 7 साल की जेल की सजा काट रहे थे।

'राजद्रोह...'

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जाँच रिपोर्ट सक्षम अधिकारी से अनुमति मिलने के बाद ही, एफ.आई.आर. दर्ज की जा सकेगी। इस बीच, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि विधि आयोग की अभिशंसाएँ, अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले, सत्तारूढ़ दल के खिलाफ विरोध के स्वरों को दबा देने के सरकार के इरादों को प्रोत्साहित करेगी।

युनिफॉर्म सिविल कोड का मामला पुरजोर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) स्वयं के हित के लिये लोगों को भड़का रहे हैं।

मोदी ने कहा, "भारतीय मुसलमानों को यह समझना होगा कि कौन-कौन से राजनैतिक दल अपने निजी हित के लिये उन्हें उकसा रहे हैं और उन्हें बरबाद कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि संविधान के सभी नागरिकों के लिये समान अधिकारों की बात करता है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी समान नागरिक संहिता के लिये कहा है।

मोदी ने प्रतिबंधित "तीन तलाक" का जिक्र किया और पूछा कि अगर यह इस्लाम में इतना ही ज्यादा अनिवार्य है, तो इसका प्रचलन मुस्लिम बहुल देशों, जैसे मिस्र, इंडोनेशिया, कतर, सीरिया, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान में क्यों नहीं है। उन्होंने कहा कि, मिस्र, जहाँ कुल आबादी का 90 प्रतिशत सुन्नी मुस्लिम है, तीन तलाक 80-90 साल पहले ही

समाप्त कर दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा, "जो लोग तीन तलाक की वकालत करते हैं, वे चोट बैंक के भूखे हैं, वे मुस्लिम बेटियों के प्रति घोर अन्याय कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि तीन तलाक का संबंध सिर्फ महिलाओं से ही नहीं है, यह पूरे परिवार का सत्यानाश कर देती है। जब आशाओं से भरे विवाह के बाद, कोई महिला, तीन तलाक के बाद, वापस भेज दी जाती है तो उसके माता-पिता और भाई उनकी वेदना को महसूस करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि तीन तलाक का फंदा मुस्लिम बेटियों के ऊपर लटकता रहे, जिससे वे उनका शोषण करने के लिये स्वतंत्र रहें। उन्होंने कहा कि ये ही वो लोग हैं जो तीन तलाक का समर्थन करते हैं।

मोदी ने आगे कहा, "यही कारण है कि मैं जहाँ भी जाता हूँ, मुस्लिम बहिन-

बेटियाँ भाजपा और मोदी के साथ खड़ी मिलती हैं।"

मोदी ने "भाजपा पर निशाना साधने वाली" पर भी प्रहार किया और कहा कि अगर वे वास्तव में मुस्लिमों के शुभचिंतक होते, तो इस समुदाय के ज्यादातर परिवार शिक्षा और रोजगार के मामले में पिछड़े हुये और मुश्किल जीवन जीने के लिये मजबूर नहीं होते। तीन तलाक "मुस्लिम वीमान (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज) एक्ट के तहत प्रतिबंधित है। इस एक्ट में, तीन साल की जेल की सजा का प्रावधान है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि ऐसे केसों में अग्रिम जमानत देने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन शर्त यह लगा दी गई है कि अदालत पुरुष को गिरफ्तारी से पूर्व जमानत दिये जाने से पहले, शिकायत करने वाली महिला की बात सुनेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले सप्ताह कहा था कि समान नागरिक

संहिता भारत के संविधान के नीति निर्देशक तत्व का हिस्सा है तथा विपक्ष इसे "वोट बैंक की राजनीति" बता कर, इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत कर रहा है।

समान नागरिक संहिता का तात्पर्य सभी पर लागू होने वाले कानून के उस सैट से है जो देश के हर व्यक्ति पर लागू होते हैं तथा धर्म आधारित पर्सनल लॉ, विरासत, गोद लेना (दत्तक) तथा उत्तराधिकार के कानूनों का स्थान ले लेते हैं।

गत वर्ष सितम्बर में एक सदस्य ने निजी विधेयक राज्यसभा में पेश किया, जिसे विपक्षी दलों के प्रबल प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। इस विधेयक में समान नागरिक संहिता तैयार करने के लिये एक पैनल के गठन की मांग की गई थी। यद्यपि पहले भी इसी प्रकार के विधेयक पेश किये जाने के लिये सूचीबद्ध हो चुके हैं, लेकिन वे उच्च सदन (राज्यसभा) में नहीं लाये गये थे।

MARUTI SUZUKI

AN SUV MADE TO MATCH YOUR STRIDE.

PRESENTING
FRONX
THE SHAPE OF NEW



CREATE. INSPIRE.



Scan to know more about FRONX



1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid



360 View Camera



Head Up Display



NEXTre® Rear Combination Lights



In-Built Suzuki Connect



Wireless Charger

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO WWW.NEXAEXPERIENCE.COM TO BOOK YOUR TEST DRIVE.

CONTACT YOUR NEAREST NEXA DEALER: JAIPUR: NEXA MANSAROVAR (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), NEXA VKIA SIKAR ROAD (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), NEXA QUEENS ROAD (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), NEXA TONK ROAD (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), NEXA AJMER ROAD (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), AJMER: NEXA MAKHUPURA (NAVNET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), ALWAR: NEXA MANHAR VILLA (FORTUNE CARS PH: 7230029424), BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL (FORTUNE CARS PH: 9214794313), BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE (CHAMPION CARS PH: 8081133333), BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL (AURIC MOTORS PH: 7412087314), JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), NEXA SHASTRI CIRCLE (AURIC MOTORS PH: 8875012697), PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), NAGAU: NEXA BIKANER ROAD NAGAU (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH (AURIC MOTORS PH: 7412092301), UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), NEXA CENTRAL UDAIPUR (NAVNET MOTORS PH: 7665016580), DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS NAUSA (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), CHITTORGAR: NEXA CHITTORGARH CENTRAL (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

Accessories and features shown may not be part of standard equipment. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एच.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शांतिंग सेंटर, टॉक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हवा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-चूपा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालौर कार्यालय:- जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय:- जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय:- एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908